DR. FIXIT®
WATERPROOFING EXPERT

Pidilite

छत की वॉटरप्रूफिंग – नया निर्माणकार्य

यह क्यों होता है

- कंक्रीट सुराखदार पदार्थ होने के कारण पानी सोख लेता है और उसमें रिसाव हो सकता है।
- कंक्रीट में बहुत ज़्यादा पानी का इस्तेमाल होने के कारण, यह सिकुड़ जाता है और इसमें दरारें पड़ जाती हैं। ये दरारें पानी के रिसाव का रास्ता बन जाती हैं।
- नयी इमारतों में छत को मौसम के कठोर चक्रों (ग़र्मी/सर्दी/बरसात) का सामना करना पड़ता है, जिससे दरारें पड़ सकती हैं।
- संरचना के सिमटने पर दरारें पड़ सकती हैं।
- कंक्रीट फ्लेक्सिबल न होने/सख़्त होने के कारण गतिविधियों को सहन नहीं कर पाता और इसमें दरारें पड़ जाती हैं।
- छतों की अनुचित ढलान के कारण छत के निचले हिस्सों पर पानी जमा हो सकता है।

समाधान

डॉ. फिक्सिट फास्टफ्लेक्स

डॉ. फिक्सिट फास्टफ्लेक्स क्यों चुनें

कंक्रीट और चिनाई की सतह के साथ मज़बूती से जुड़ता है

1.2–1.5 मिमी की मोटी फिल्म बनती है, जो शानदार वॉटरप्रूफिंग देती है

120% खिंचाव के साथ बेहद फ्लेक्सिबल कोटिंग, जो 2 मिमी तक की दरारें भर सकती है

विष–रहित

ब्रश, रोलर या करणी द्वारा आसानी से लगाया जा सकता है

इस्तेमाल कैसे करें

चरण 1

इस्तेमाल से पहले कंक्रीट की सतहों को पूरी तरह सुखाया जाना चाहिये (कम से कम 28 दिन)। इस्तेमाल शुरू करने से पहले सतह को अच्छी तरह साफ कर लें।

चरण 2

1:3 के सीमेंट–रेत अनुपात पर **डॉ. फिक्सिट पिडिक्रीट यूआरपी** (सीमेंट के वज़न का 10%) द्वारा संशोधित मॉर्टर से प्राइमिंग (1 यूआरपी : 1 सीमेंट) और मरम्मत करते हुए सभी दरारें भरें।

चरण 3

दीवार और फर्श के जोड़ को साफ़ करें और उसपर 1:3 के सीमेंट : मॉर्टर अनुपात के साथ **डॉ. फिक्सिट पिडिक्रीट यूआरपी** (सीमेंट के वज़न का 10%) से ऐंगल फिलेट/वाटा तैयार करें।

चरण 4

मुंडेर की दीवार के साथ फाइनल फिनिश लेवल से 300 मिमी बढ़ा कर पूरी क्षैतिज सतह पर 5 स्क्वे. फुट/किग्रा की दर से **डॉ. फिक्सिट फास्टफ्लेक्स** की 2 कोट लगायें। पहली कोट के ऊपर गीली स्थिति में ऐंगल फिलेट के हिस्से में 150 मिमी चौड़ी 45 जीएसएम ग्लास फाइबर मेश बिछायें। दीवार–फर्श के सभी अतिरिक्त जोड़ों को चरण 3–4 में दी गयी प्रक्रिया द्वारा ढँका जाना चाहिये।

चरण 5

सुखाये गये **डॉ. फिक्सिट पिडिफिन फास्टफ्लेक्स** पर 100 जीएसएम जीयोटेक्सटाइल अलगाव की परत के रूप में लगायें।

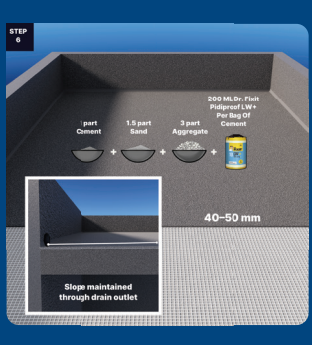

चरण 6

इसके ऊपर 40–50 मिमी (1 सीमेंट : 1.5 रेत : 3 ऐग्रिगेट) के साथ डॉ. फिक्सिट पिडिप्रूफ LW+ (200 मिली प्रति बोरी सीमेंट) लगायें और ड्रेन आउटलेट तक ढलान रखें

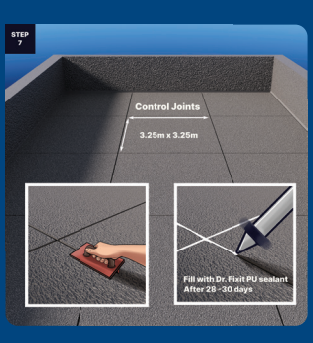

चरण 7

3.25 मीटर 3.25 मीटर के कंट्रोल जॉइंट्स दें। 28–30 दिन बाद, इन जॉइंट्स में उपयुक्त **डॉ. फिक्सिट पीयू सीलंट** भरा जा सकता है।

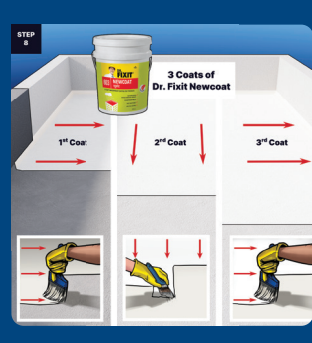

चरण 8

वैकल्पिक: **डॉ. फिक्सिट न्यूकोट** की दो कोट्स 10 स्क्वे. फुट/लीटर/2 कोट्स की दर से और **डॉ. फिक्सिट न्यूकोट कूल** की एक कोट 7 स्क्वे. फुट/लीटर/कोट की दर से बिना पानी मिलाये लगायें। इसमें सोलर रिफ्लेक्टंस इंडेक्स (एसआरआइ) मूल्य 106 होता है और जो भारी ग़र्मियों में सतह के तापमान को 10°C** तक कम करता है।